

20/11/24

पत्रावली पत्रा हुई।

मूल अपील में 'निर्णय' छे जाने से इस
स्वयं चर्चता पत्र का कोई औचित्य नहीं
रह जाता है। अतः स्वयं चर्चता पत्र खारिज
किया जाता है। पत्रावली केवल मुफ्त लेकर
इस न्यायालय के नम्बर से कम लेकर मूल अपील
के कलमन नहीं है।


अधीन जिला न्यायाधीश नथनी